Today's Poem – 03.07.2014

अभी हम ब्राह्मण बन बाप से बहुत भारी खजाना ले रहे

सर्व गुणों से अपनी झोली भर रहे

बेहद का बाप बेहद का वर्सा देते

अपने सब गुण हमें विल करते

अपने आपको अकालमूर्त आत्मा समझ बाप को याद करना

ईश्वरीय बुद्धि बनाना

बाप से सच्ची कथा सुनकर दूसरों को सुनानी

मायाजीत बनने के लिए आपसमान बनाने की सेवा करनी

मास्टर सर्वशक्तिमान

माना संकल्प और कर्म समान

ज्ञानी तू आत्मा बनना

बाप की प्रशंसा करवाना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!